Dr. Madan Paswan, History
Class: B.A. Part-II (Hons.) P-IVth
Topic: Dawes Plan

Lecture No. 31
Date: 29.10.2020
Continue Lecture...

1929 ई० के आरंभ में एक नई समिति का गठन किया गया और इसका अध्यक्ष भी एक अमेरीकी ओवन डी० यंग Owen D. Young था और उसी के नाम पर इस समिति को यंग कमेटी Young Committee कहा जाता है। इस कमेटी ने क्षतिपूर्ति की अदायगी की एक नई योजना तैयार की जिसे जर्मनी ने स्वीकार कर लिया।

जर्मनी द्वारा इसे स्वीकार किये जाने के साथ ही विजयी देशों की सेनाएँ, जो जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र राइनलैण्ड Rhine land पर युद्ध के समय से ही अधिकार किए हुए बैठी थीं, हटा ली गई। इस प्रकार 1924 से 1929 ई० के काल में जर्मनी पर से आर्थिक संकट के काले बादल धीरे-धीरे छँट गए तथा समृद्धि के नए युग का आरंभ नजदीक आता प्रतीत होने लगा।

परन्तु यह सब कुछ अमरीका से प्राप्त होने वाले ऋणों के लगातार आते रहने पर निर्भर करता था। नीचे दिया गया मानचित्र इसको स्पष्ट करता है। जो नीचे है:-

ऊँची ब्याज पर ऋण की दरें

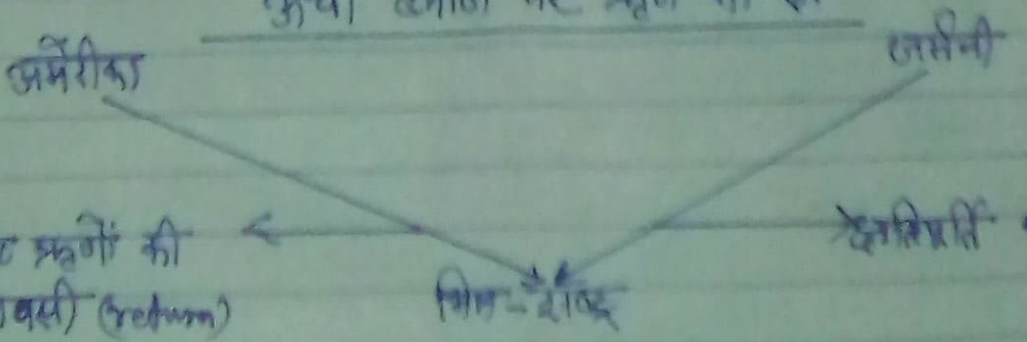

इस प्रकार स्थिति कमजोर व असुरक्षित थी। युद्ध के दौरान मित्र-राष्ट्रों ने अमेरीका से बड़े पैमाने पर युद्ध-सामग्री व साथ-साथ खाद्य-सामग्री का आयात किया था जिसका मूल्य वे समय पर नहीं चुका पाए थे। इस प्रकार युद्ध-समाप्ति के समय लगभग सभी यूरोपीय देश, चाहे वे हारे हुए हों या जीते हुए, लगभग एक-सी दुखदायी स्थिति में थे तथा उनमें से अधिकांश अमेरीकी धन कुबेरों के कर्जदार थे।

Continue....